

# अपनी किताब की मार्केटिंग भी है जरूरी

बिटी  
BITE

एक राइटर को चाहिए कि बुक प्रिंसीपल के शुरूआती तीन महीने मार्केटिंग में इन्वेस्ट करे। ऐसे कुछ एक्सपीरियंस गॉटलिस्ट अरिचन सारी ने पत्रिका प्लस से शेयर किया।



अब आपकी कौन-सी बुक आने वाली है?

इन दिनों अमरीकन ऑथर जेम्स पैटिसन के कॉलेक्शन में बुक 'ग्रहवैत इंडिया' लिखा एव हू, जो एक क्राइम फिक्शन है। मेरी फर्स्ट बुक थ्रिलर फिलर थी। सैकंड पॉलिटिकल थ्रिलर और थर्ड माइक्रोथ्रिलर फिक्शन, लेकिन अब मैं पहली बार हिस्ट्री और माइक्रोथ्रिलर से दूर जा रहा हूँ। यह बुक सीरियल किलर पर आधारित है, जिसकी स्टोरी इंडिया में मुंबई, जयपुर, आग्रा, दिल्ली जैसे चार-पांच शहरों में फैल करती है। मुझे जयपुर में जोहरी बाजार का एरिया फेमिनेट करता है, क्योंकि यह मेरी नजर में जयपुर की नस है, इसलिए मेरी किताब के दो सीन जोहरी बाजार पर हैं।

एंटरप्रेन्योर से राइटर कैसे बने?

एरअसल, जब मैंने पहली बुक लिखी थी, तब तक मैंने कभी एक हजार शब्द से ज्यादा का कोई आर्टिकल नहीं लिखा था। बस, बुक्स बहुत पढ़ी थी, क्योंकि मेरे नानाजी को पढ़ने का शौक था और उनके पास अच्छी-खासी लाइब्रेरी थी और वो मुझे पढ़ने के लिए बुक्स भेजते थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं राइटर बन सकता हूँ, लेकिन 2003 में मैं कश्मीर में एक सक्कर पर गया, जिसकी स्टोरी सुनी, तो मेरे रोमटे खड़े हो गए। फिर मैंने उस पर रिसर्च शुरू किया, तो मेरी पत्नी ने कहा कि आपने इतना रिसर्च कर लिया है, तो क्यों न इस बुक के रूप में लगे। इस तरह मेरी पहली बुक आई।

अब भी बिजनेस से जुड़े हैं?

सोमवार से शुक्रवार ऑफिस जाता हूँ, क्योंकि वो मेरा काम है। राइटर अपने लिए करता हूँ। हालाँकि अब इतनी रॉकली तो आती है कि मैं सिर्फ राइटरिंग पर ही फोकस कर सकता हूँ, लेकिन मन में डर है कि बहुत ज्यादा कॉमर्शियल हो गया, तो पैशन खो गया।

आपकी किसी बुक पर फिल्म बन रही है?

मेरी बुक 'जयपुर पैट' के मूवी राइट्स बृतीजी-डिज्नी ने खरीदे हैं। लेकिन यह एनशिर्द और मॉडर्न एण रोने की कहानी है। इसे फिल्म में डालना एक चैलेंज है। मुझे फिल्म की सिक्रिप्टिंग के लिए भी कहा गया है, लेकिन बुक और मूवी अलग-अलग चीज हैं।